कोटगेट फाटक पर अंडरपास के स्वीकृत कार्य को तुरंत चालू करें : बी. डी. कल्ला

रेल फाटकों की समस्याओं सहित विभिन्न मांगों को लेकर कांग्रेस का शिष्टमंडल पूर्व मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला के नेतृत्व में जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि से वार्ता कर ज्ञापन सौंपा।

- **स्वीकृत काम को रोकने पर कांग्रेस का शिष्टमंडल कलेक्टर से मिला**

बीकानेर, (कासं)। विगत कांग्रेस सरकार द्वारा बीकानेर शहर की मूलभूत समस्या कोटगेट और सांखला रेलवे फाटक की समस्या का निदान करते हुए अंडर पास हेतु राशि और कार्यादेश जारी होने के बाद भी अब तक काम चालू ना करने के विरोध स्वरूप आज एक शिष्टमंडल ने जिला कलेक्टर से वार्ता कर ज्ञापन दिया।

संगठन महासचिव नितिन वत्सस ने बताया शिष्टमंडल का नेतृत्व पूर्व मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला और जिला अध्यक्ष यशपाल गहलोत ने किया। कल्ला ने ज्ञापन के बाद जिला कलेकटर से कहा की जिस कार्य की राशि स्वीकृत कर उसकी उसके लिए अधिकारी नियुक्त कर दिया गया है, उसको रोकना गलत है और ये समस्या कांग्रेस या भाजपा की नहीं आमजन की है। उसके लिए स्वार्थ पूर्ण राजनीति उचित नहीं है। जल्द ही उसका कार्य चालू करें वरना कोई और कदम उठाना पड़ेगा। क्योंकि आम जनता की तकलीफों को दूर करना कांग्रेस अपना धर्म मानती है।

जिला अध्यक्ष यशपाल गहलोत ने कहा कि कार्य आदेश जारी हो चुके हैं फिर किसी व्यक्ति के कहने मात्र से इस कार्य को रोकना गलत है। आप जल्द से जल्द इस कार्य को चालू करवाएं वरना कांग्रेस को कठोर कदम उठाकर जनांदोलन का रूख अख्तियार करना पड़ेगा। प्रवक्ता विकास तंवर ने बताया की शिष्टमंडल में प्रदेश महासचिव जिया उर रहमान आरिफ, उपाध्यक्ष श्रीलाल व्यास पार्षद जावेद पडिहार, महासचिव विक्की चड्ढा, राहुल जादुसंगत, कर्नल शिशुपाल सिंह इंटक नेता महेंद्र देवड़ा, ओमप्रकाश वाल्मीकि, महिला नेत्री मुमताज शेख, वंदना गुप्ता, सचिव मनोज चौधरी, सफी खान, श्याम कुमार तंवर, दिनेश कल्ला, जीतू नायक, किशन तंवर, किशन ओझा उर्फ घंटी, नूर मोहम्मद नागौरी, मैक्स नायक, सुरेश वाल्मीकि, माणक सहित कांग्रेस पदाधिकारी शामिल थे।

व्यास ने पब्लिसिटी स्टंट बताया : पूर्व मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला द्वारा कोटगेट रेलवे फाटक पर अंडरब्रिज बनाए जाने को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिए जाने को बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास ने पब्लिसिटी स्टंट बताया है। व्यास ने कहा कि डॉ. कल्ला छह बार विधायक रहे और हमेशा रेलवे बाईपास को ही बेहतर विकल्प बताते रहे। विधायक के तौर पर अपने छठे कार्यकाल के अंतिम बजट में अंडरपास के लिए आनन-फानन में बजट स्वीकृत करवाया। इसके बाद भी छह माह तक उनकी सरकार रही लेकिन इच्छा शक्ति के अभाव में यह काम एक कदम आगे नहीं बढ़ पाया। यह खुद पूर्व मंत्री ने ही स्वीकार किया है कि कोई ठेकेदार इसके लिए आगे नहीं आया। क्योंकि तकनीकी तौर पर प्रथमदृष्टया यह अनुकूल और स्थाई उपाय नहीं है।

विधायक व्यास ने कहा कि नई सरकार बनने के साथ ही उन्होंने इस मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री और स्थानीय सांसद से इस संबंध में चर्चा की। तात्कालिक संभागीय आयुक्त, डीआरएम और जिला कलेक्टर से भी इसके स्थाई समाधान के लिए बातचीत कर चुके हैं। वर्तमान में पिछले डेढ़ माह से आचार सहिता प्रभावी है और इस संबंध में कोई कार्यवाही नहीं हो सकती। इसके बावजूद इतने वरिष्ठ नेता द्वारा ज्ञापन देना और प्रशासनिक अधिकारियों से मिलना समझ से परे है। उन्होंने कहा कि कोटगेट रेलवे फाटक की समस्या का स्थाई समाधान सरकार और उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता में है। लोकसभा चुनाव पूर्ण होने के बाद इस संबंध में कार्यवाही की जायेगी।

सुजानगढ़ शहर की बिगड़ी ट्राफिक व्यवस्था

सुजानगढ। शहर के मुख्य मार्गो पर बने कॉम्पलेक्सो के बाहर बेतरतीब खडे होने वाले वाहनों से शहरवासी परेशान है। नियमों को ताक पर रखकर बनाए गये कॉम्पलेक्सों में पार्किंग की सुविधा नहीं होने के कारण शहर की सडको पर खडे होने वाले वाहनों से लगने वाला जाम अब शहर के लिए नासूर बनता जा रहा है।

बात करें शहर के स्टेशन रोड के पास राठी हॉस्पिटल, एचडीएफसी बैंक, एयू बैंक, अग्रसेन टॉवर, गौरव टॉवर, सरकारी अस्पताल के पास, धनलक्ष्मी कॉम्पलेक्स, सुमेरू कॉम्पलेक्स सहित शहर के अन्य व्यवसायिक कॉम्पलेक्स के बाहर दिनभर 600०० से 700०० बाईक्स अव्यवस्थित तरीके से बाईक व गाडियां खडी रहती है। शहर के संकडे मार्गो पर इस तरीके से वाहनों के खडे रहने से हर वक्त जाम की भी स्थिती बनी रहती है। इस समस्या को लेकर शहर के जागरूक लोगो ने कहा कि मुख्य बाजार, स्टेशन रोड मार्ग पर डिवाईडर के निर्माण के कारण वाहनों की पार्किंग से रास्ते और छोटे गए है। जिनमें बदहाल ट्राफिक व्यवस्था के कारण लोग जाम में फंसे रहते है। जाम में फंसे लोग खुद ही सडक पर खडे वाहनों को साइड में खडा करके जाम की स्थिती से निजात पाते है। शहर की इस ज्वलंत समस्या पर जिम्मेदार भी ध्यान नही दे रहे है। जिस कारण हर कोई इस लचर सिस्टम पर सवाल खडे करते हुए दिखाई देता है।

सार-समाचार

30 ग्राम हेरोइन के साथ 5 गिरफ्तार

चूरू, 26 अप्रैल (कासं.)। सदर थाना पुलिस ने 30 ग्राम हेरोईन के साथ 5 जनों को गिरफ्तार किया है। यहां जिला पुलिस अधीक्षक चूरू जय यादव आईपीएस ने बताया कि लोकसभा चुनाव 2024 के मध्यनजर जिला स्तर पर अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ अभियान के तहत लोकेन्द्र दादरवाल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू, सुनील कुमार झाझडिया वृताधिकारी वृत चूरू के निकटतम सुपरविजन में डीएसटी टीम की आसूचना पर डीएसटी टीम बलवन्त उनि थानाधिकारी पुलिस थाना सदर चूरू के नेतृत्व में थाना की टीम ने एनएच 52 पर नांकाबंदी की। इस दौरान राजगढ की तरफ से आ रही एक कार को रूकवाकर चैक किया गया तो कार में छुपाकर रखा 30 ग्राम हेरोईन (चिट्टा) मिला। इस पर पुलिस ने मोहम्मद अख्तर पुत्र हाजी यासीन जाति कायमखानी उम्र 38 साल निवासी नई सडक वार्ड नम्बर 26 चूरू पुलिस थाना कोतवाली चूरू, शहनवाज पुत्र नजीर खां जाति कायमखानी उम्र 27 साल निवासी लोहिया कॉलेज के पीछे वार्ड नम्बर 24 चूरू थाना कोतवाली चूरू, मोहम्मद फिरोज पुत्र मोहम्मद अनवर जाति कायमखानी उम्र 36 साल निवासी लोहिया कॉलेज के पीछे वार्ड नम्बर 24 चूरू थाना कोतवाली चूरू, सोयल खान पुत्र इरफान खान जाति कायमखानी उम्र 25 साल निवासी लोहिया कॉलेज के पीछे वार्ड नम्बर 24 चूरू थाना कोतवाली चूरू और ईलियास पुत्र हाजी अहमद अली जाति कायमखानी उम्र 37 साल निवासी मोहल्ला व्यापारियान श्याम हॉल के पीछे वार्ड नम्बर 18 चूरू थाना कोतवाली चूरू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पांचों के खिलाफ धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज करके अनुसंधान शुरू किया है।

चिकित्सा परामर्श शिविर

भीखनसर ।आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) में आयोजित योग एवम आयुर्वेद चिकित्सा परामर्श शिविर में महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रभारी डॉ. रणधीर सिंह ने बताया योग प्रशिक्षिका अनिता कुमारी ने उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं को महिला स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद योगासनों की जानकारी देते हुए अभ्यास करवाया एवम औषधालय परिसर में नित्य होने वाले निशुल्क योगाभ्यास सत्र से अधिक से अधिक जुड़ने की अपील की।कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ पार्वती देवी , बनारसी देवी ,शारदा देवी के द्वारा किया गया। डॉ.रणधीर सिंह ने चिकित्सा परामर्श के साथ औषधालय के हर्बल गार्डन एवम उपलब्ध निशुल्क जांचों के बारे में जानकारी दी।इस अवसर पर सजना देवी , पुनम देवी , भगोती देवी , मोनिका, कंचन, नीलम, जयन्त, नीलम, जयन्त ,संतोष देवी,विक्रम धायल , मंजू देवी, रामप्यारी देवी आदि उपस्थित रही।

शेखावाटी में गर्मी ने तेवर दिखाए

चूरू, (कासं.)। शेखावाटी में गर्मी ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। मौसम विभाग के अनुसार चूरू में आज अधिकतम तापमान 41.4 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। आज यहां दोपहर 12 बजे से पहले ही लोग पसीने से तर रहे। रही-सही कसर बिजली विभाग वालों ने बार-बार अघोषित बिजली काटकर पूरी कर दी। ऐसे में आमजन को बहुत परेशानी हुई। यहां बिजली विभाग ने रीको को भी नहीं छोड़ा, रीको एरिया में शाम होने के बाद बार-बार बिजली गुल हुई। बाजारों में भी कोई रौनक वाली बात नहीं दिखी। लोग धूप से से बचने के लिए सिर को कपड़े से ढककर ही निकले। अभी आने वाले दिनों में पारे में और बढ़ोतरी होगी।

पोषाहार के लिए खाद्यान्न आंवटन

सीकर। जिला कलेक्टर (रसद) कमर उल जमान चौधरी ने आदेश जारी कर अप्रेल से जून 2024 के लिए जिले में एक से 5 तक के छात्र-छात्राओं के लिए गेहूँ,चावल 461.0 क्विंटल, कक्षा 6 से 8 के लिए 563.0 क्विंटल, बाल वाटिका के लिए 10.10 क्विंटल पोषाहार के लिए खाद्यान का आंवटन पंचायत समितिवार किया है। थोक विक्रेताओं द्वारा भारतीय खाद्य निगम डिपो से अच्छी गुणवत्ता का खाद्यान्न उठाकर बीईओ द्वारा जारी आंवटन आदेश के अनुसार विद्यालयों में पोषाहार की आपूर्ति तोल कर की जावेगी।

पोषाहार के लिए खाद्यान्न आंवटन

सीकर,26 अप्रेल। जिला कलेक्टर (रसद) कमर उल जमान चौधरी ने आदेश जारी कर अप्रेल से जून 2024 के लिए जिले में एक से 5 तक के छात्र-छात्राओं के लिए गेहूँ,चावल 461.0 क्विंटल, कक्षा 6 से 8 के लिए 563.0 क्विंटल, बाल वाटिका के लिए 10.10 क्विंटल पोषाहार के लिए खाद्यान का आंवटन पंचायत समितिवार किया है। थोक विक्रेताओं द्वारा भारतीय खाद्य निगम डिपो से अच्छी गुणवत्ता का खाद्यान्न उठाकर बीईओ द्वारा जारी आंवटन आदेश के अनुसार विद्यालयों में पोषाहार की आपूर्ति तोल कर की जावेगी।

मासिक कीर्तन का आयोजन

सीकर। सामाजिक कार्यों में अठाणी महिला संस्था मारुति सखी मंडल द्वारा मासिक कीर्तन का आयोजन सदस्य समाजसेवी सरिता खेतान के आवास पर किया गया । संस्था की संस्थापक सन्नू मोदी ने बताया कि इस महिला ग्रुप में 27 महिला सदस्य है । हर महीने जिस सदस्य का नंबर होता है उसके घर सुंदरकांड पाठ किया जाता है इससे घर में सात्विक ऊर्जा का संचार होता है। सदस्य सरिता खेतान ने बताया कि इस ग्रुप की शुरुआत 15 साल पहले 10 सदस्य से हुई थी आज धीरे धीरे सखी मंडल का परिवार बढ़ चुका है इस ग्रुप में सास भी है बहु भी है इसमें सभी सदस्यों ने इस बार गर्मी के मौसम में पक्षियों की सेवा का संकल्प लिया है इस कीर्तन में सदस्य आनंदी सुनीता बंसल सरिता संतोष प्रेम वीना उर्मिला कांता प्रभा खेतान शशि रावत किरण उर्मिला शांति विमला मंजू खेतान नीमा खेतान सावित्री आशा शर्मा साधना सेठी उपस्थित रही ।

बिना दहेज शादी की

सीकर । ग्राम पुरा छोटी में त्रिलोक सिंह शेषमा, वरिष्ठ अध्यापक ने अपने बेटे हरीश शेषमा, बैक मैनेजर की बिना दहेज एक रुपए नारियल लेकर शादी कर मिसाल पेश की है। वहीं अपनी बहू कविता झाझडिया पुत्री गोपाल सिंह निवासी फतेहपुरा धोद को मुंह दिखाई में क्रेटा कार गिफ्ट की है। इस प्रकार बिना दहेज शादी कर उन्होने समाज में अच्छा संदेश दिया है।

मरू वनस्पतियां स्वास्थ्यवर्धक के साथ बन रही आय का साधन

- **सूखी सांगरी, कैर, फोगला आदि 500 से 1200 रूपए प्रति किलो तक बिकता है**
- **खींप की कच्ची फलियों व फोग के अधखिले फूलों की सब्जी व रायता रोगनाशक होता है**

श्रीगंगानगर, (कासं)। भोजन में इन मरू वनस्पतियों का उपयोग न केवल हरी व ताजी सब्जियों के रूप में होता है। वहीं सूखाकर साल भर किया जाता है। ये सूखी वनस्पतियां महानगरों व देश के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले मारवाडियों की पहली पसंद है।

स्थिति यह है कि कभी प्रदेश में हरी सब्जियों की कमी को देखते हुए मजबूरी में सूखा कर उपयोग में लेने वाली ये वनस्पतियां आज अन्य प्रदेशों व बड़े होटलों व ढाबों में भी महंगी सब्जियों में शुमार होती हैं। जिनको लोग काफी पसंद भी करते हैं। यह मरुस्थलीय सूखी सब्जियां पूरी तरह से प्राकृतिक स्वाद व स्वास्थ्यवर्धक होती हैं। इन्ही वनस्पतियों में प्रदेश के बरानी खेतों में प्राकृतिक बाड़ के रूप में उपयोग होने वाले खींप पर लगने वाली कच्ची फलियों यानि खींपोली को बड़े बुजुर्ग बहुत गुणकारी बताते हैं।

बारिश आधारित खेती पर निर्भर बरानी क्षेत्र में बिजाई की जाने वाली ग्वार, बाजरा, मोठ, तिल, सहित टिब्बा क्षेत्र में अपने आप उगने वाली वनस्पति कैर, फोग, खेजड़ी, देशी बबूल, खींप की खास बात यह है कि ये पूरी तरह से ऑर्गेनिक होती है। इन वनस्पतियों में खींप, फोग, देशी बबूल व खेजड़ी में मार्च से लेकर मई प्रथम सप्ताह तक फलियां व फूल लगते हैं। खींप की कच्ची फलियों व फोग के अधखिले फूलों से बनने वाली सब्जी व रायता रोगनाशक होता है। जानकारों के अनुसार आयुर्वेद में शरीर के विकार को दूर करने में कैर व खींपोली बहुत लाभकारी है।

बरानी क्षेत्र में उगने वाली प्रमुख वनस्पतियों कैर, सांगरी, फोगला, फोफलिया, खेलरी आदि की न सिर्फ देश में बल्कि विदेशों में भी अच्छी मांग है। ग्रामीण व किसान इनको सूखा कर महंगे दामों में बेचकर कमाई भी करते हैं। मांग के हिसाब से इन सूखी सब्जियों के दाम बहुत अच्छे मिल जाते हैं। सूखी सांगरी, कैर, फोगला आदि 500 से 1200 रूपए प्रति किलो तक बिकता है।

इन स्वास्थ्यवर्धक पूर्णतः ऑर्गेनिक सब्जियों के शौकीनों के लिए ये कीमत कोई मायने नहीं रखती जिसके कारण टिब्बा क्षेत्र के कई किसान इन सब्जियों से अच्छी खासी कमाई कर रहे हैं। मरू वनस्पतियों का जिक्र राजस्थानी गीतों में भी मिलता है। खींपोली का जिक्र इनके लगने की ऋतु में राजस्थानी लोकपर्व गणगौर के गीतों में आता है। गणगौर पूजन के दौरान युवतियां व महिलाएं अक्सर खींपोली ए म्हारी खींपा छाई तारा छाई रात गीत गाती हैं। वहीं राजस्थानी लोकगीत बाजरे की रोटी उन पर फोफलिया गो साग जी..आदि गीत भी लोकप्रिय हैं।

गांव ख्याली में पेयजल संकट

मलसीसर, 26 अप्रैल (निसं.)। प्रशासन की अनदेखी के कारण मलसीसर उपखंड की ग्राम पंचायत बाडेट के गांव ख्याली में गर्मी शुरू होते ही पेयजल आपूर्ति गड़बड़ा चुकी है।

ख्याली गांव में नियमित रूप से पेयजल सप्लाई नहीं होने से यहां पीने के पानी की समस्या दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है। जबकि यहां के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के कानों पर कोई जूं तक नहीं रेंग रही है। ख्याली के राजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि गांव में छह दिन में सिर्फ एक बार आधा घंटा पानी की सप्लाई की गई है। इस दौरान यहां केवल दो घड़े ही पानी के भरे जाते हैं। इस कारण यहां गरीब लोगों को बहुत परेशानी हो रही है। राजेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि पेयजल आपूर्ति करने में संबंधित कर्मचारी और अधिकारी भारी लापरवाही बरत रहे हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए ताकि गांव वालों को समय पर पूरा पेयजल मिल सके। इस संबंध में सरपंच प्रतिनिधि यज्ञपाल को अवगत करवाने पर उन्होंने कहा कि बात करके बताता हूं। ख्याली गांव में पेयजल व्यवस्था सुचारू करवाने के लिए विकास अधिकारी, एडीएम झुंझुनूं, मलसीसर उपखंड अधिकारी से मिले।

पानी मिलने पर होगी बीटी कॉटन की बुवाई

- **सिंचाई पानी मिलने पर श्रीगंगानगर खंड में बीटी कॉटन की बुवाई शुरू हो जायेगी**

श्रीगंगानगर, (कासं)। गंगनहर में बीस दिन की नहरबंदी और आईजीएनपी व भाखड़ा नहर परियोजना में सिंचाई पानी मिलने पर अब श्रीगंगानगर खंड में बीटी कॉटन की बुवाई शुरू हो जायेगी। श्रीगंगानगर खंड में बीटी कॉटन की डेढ़ दर्जन किस्में है। इनमें से चयन कर किसान बीटी कॉटन की बुवाई कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष श्रीगंगानगर खंड में चार लाख 38 हजार 307 हेक्टेयर क्षेत्रफल में बीटी कॉटन की बुवाई हुई थी। गुलाबी सुंड़ी से 20 से 90 प्रतिशत तक हुआ नुकसान था। पिछले वर्ष बीटी कॉटन की फसल में 20 से 90 प्रतिशत तक श्रीगंगानगर-अनूपगढ़ और हनुमानगढ़ जिले में नुकसान हुआ। वहीं औसत नुकसान 66 प्रतिशत से अधिक माना गया है। बीटी कॉटन की फसल को गुलाबी सुंडी ने तहस-नहस कर दिया। इस कारण कॉटन का उत्पादन प्रति हेक्टेयर महज आठ से 10 क्विंटल तक ही हुआ।

श्रीगंगानगर जिले में वर्ष पिछले वर्ष बीटी कॉटन की बुवाई 2,29094 हेक्टेयर क्षेत्रफल में हुई थी। विभिन्न कंपनियों की बीटी कपास बीजी-2 (बीटी नरमा) समूह की भिन्न-भिन्न संकर किस्मों की बुवाई की गई। इसमें कपास के सभी खेतों में गुलाबी सुंडी का प्रकोप आर्थिक हानि स्तर (ईटीएल) 10 प्रतिशत से अधिक पाया गया। इस कीट से सीआरवाई एसी जीन के विरूद्ध प्रतिरोधकता विकसित कर ली है। इस कीट का प्रकोप कम करने के लिए विभिन्न उन्नत कृषि तकनीक विधियों को अपनाना एक विकल्प हैं।

बीटी कपास की बुवाई का उपयुक्त समय 1 मई से 20 मई है। किसान मध्य अप्रेल से पूरी मई तक इसकी बुवाई कर सकते हैं। बीटी कपास की बीज दर 450 ग्राम प्रति बीघा रखें।

महंगे दामों पर टैंकरों से पानी खरीदने की मजबूरी

केसरीसिंहपुर, (कासं)। कस्बे के नागरिक पिछले कई दिन से पेयजल किल्लत की समस्या से परेशान हैं। यहां के जलदाय विभाग में सिर्फ तीन दिन का पेयजल बचा है। जबकि जलदाय विभाग के कर्मचारियों की माने तो अब 3 मई को नहर में पानी आने की संभावना है। ऐसे में तब तक कस्बे के नागरिकों को पानी की किल्लत इसी तरह झेलनी पड़ेगी।

तीन मई को पानी आने के बाद ही जलदाय विभाग पानी का भंडारण करेगा। इसके बाद ही घरों में जलापूर्ति शुरू हो सकेगी। पेयजल की किल्लत के चलते वार्डों में पानी के टैंकर पहुंच रहे हैं और महिलाएं टैंकर का पानी उपयोग कर रही है। कस्बे के नागरिकों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से पेयजल किल्लत हो रही है। ऐसे में वार्डों के लोग महंग दामों पर टैंकर का पानी मजबूरी में मंगवा रहे हैं।

हालांकि उन्हें यह महंगा पड़ रहा है लेकिन पानी के बिना कुछ घंटे भी नहीं निकल रहे। महिलाओं ने बताया कि कपड़े धोने, नहाने से ज्यादा पीने का पानी महत्वपूर्ण है वह भी पर्याप्त नहीं आ रहा। पेयजल आपूर्ति करने वाली एच व एफ नहरों में नहरबंदी खुलने के बाद क्षेत्र की नहरो में अभी तक पानी नहीं छोड़ा गया है।

इनामी बदमाश पकड़ा

बीदासर। कस्बे में लगातार हो रही चोरियों पर अंकुश लगाने को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव के विशेष निर्देश पर पुलिस ने दस हजार रूपये इनामी शातिर नकबजन को गुरूवार की देर शाम गिरफ्तार किया है।

चोरियों के मामले में थानाधिकारी कैलाश चंद यादव के सुपर विजन में टीम गठित कर गांव साण्डवा की रोहीयों में सुजानगढ वार्ड तीन के निवासी भरत बुडिया को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी कैलाश चंद यादव ने बताया कि नकबजनी के आरोप में गिरफ्तार किए गए भरत बुडिया को शुक्रवार को न्यायालय में पेश करने पर न्यायालय ने पांच दिवस की पीसी रिमांड पर दिया है।

ई-आर.सी. और ई-ड्राइविंग लाइसेंस की ओर बढ़ा रूझान

- **पहले स्मार्ट कार्ड बनाने के 200 रुपए फीस लगती थी, जो अब नहीं लग रही है**

बीकानेर, (कासं) वाहनों के रजिस्ट्रेशन और ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन करने वालों को अब ई-आरसी व ई-ड्राइविंग लाइसेंस की सुविधा मिल रही है।

कोई भी नया वाहन मालिक आरसी और लाइसेंस के लिए आवेदन करता है, तो उन्हें ई-आरसी व ई-ड्राइविंग लाइसेंस मिल रहा है। वाहन स्वामी इनका पीवीसी कार्ड प्रिंट करवा सकता है। बीकानेर में खासतौर से ई-आरसी व ई-ड्राइविंग लाइसेंस के लिए युवाओं की रूचि बढ़ती दिख रही है। जानकारी के मुताबिक जिनके पूर्व में आरसी व ड्राइविंग लाइसेंस बने हुए हैं, उन्होंने भी ई-आरसी व ई-ड्राइविंग के लिए आवेदन किया है।

यह सुविधा मिलने से अब वाहन संबंधी सभी डॉक्यूमेंट मोबाइल में सुरक्षित रह सकेंगे, जो जरूरत पड़ने पर उपयोग लिए जा सकेंगे। परिवहन विभाग की ओर से एक अप्रेल से अब तक 3961 आरसी और 2632 ई-ड्राइविंग लाइसेंस ऑनलाइन जारी हो चुके हैं। ई-आरसी व ई-ड्राइविंग लाइसेंस आवेदकों को कियोस्क मशीन से इनका पीवीसी कार्ड प्राप्त करना है। साथ ही इन्हें लिंक के माध्यम से अपने मोबाइल व डिजी लॉकर में डाउनलोड करना है। सूत्रों के मुताबिक ई-ड्राइविंग लाइसेंस की सुविधा शुरू करने से आमजन को राहत मिली है। पहले स्मार्ट कार्ड बनाने के 200 रुपए फीस लगती थी, जो अब नहीं लग रही है।

कृषि वैज्ञानिक ज्यादा से ज्यादा रिसर्च कर किसानों तक पहुंचाएं : डॉ. शेखावत

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक को डॉ. पी.एस.शेखावत ने संबोधित किया।

- **वैज्ञानिकों और किसानों के बीच दूरी कम करने के लिए प्रसार व रिसर्च को एक साथ कार्य करने की जरूरत बताई**
- **अनुसंधान समिति की बैठक में कई फैसले लिए**

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र में 25 और 26 अप्रैल को दो दिवसीय क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने हेतु 10 विभिन्न अनुशंषाएं की गई व 06 तकनीकों को परीक्षण हेतु ग्राह्य परीक्षण केन्द्र (एटीसी) भेजने का निर्णय लिया गया।

बैठक में मुख्य अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत और विशिष्ट अतिथि भू सदृशयता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, अतिरिक्त निदेशक कृषि प्रसार डॉ एस.एस. शेखावत व काजरी अध्यक्ष डॉ नवरतन पंवार थे। बैठक की अध्यक्षता कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस.आर.यादव ने की। अनुसंधान निदेशक डॉ पी.एस. शेखावत ने वैज्ञानिकों और किसानों के बीच दूरी को कम करने के लिए प्रसार व रिसर्च को एक साथ कार्य करने की जरूरत बताई। भू-सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम ने एटीसी पर ट्रायल बढ़ाने और अतिरिक्त निदेशक कृषि प्रसार डॉ एस.एस. शेखावत ने कृषि वैज्ञानिकों को ज्यादा से ज्यादा रिसर्च कर किसानों तक पहुंचाने की बात कही।

कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस.आर. यादव ने बताया कि बैठक में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को विभिन्न फसलों में उत्पादन बढ़ाने के लिए बाजरा की उन्नत किस्में एच.एच.बी.-299 व पी.सी.-701 तथा पोषक तत्वों के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाना, मूंगफली में उन्नत किस्म आर. जी.-638 एवं सिंचाई प्रबंध, ग्वार की उन्नत किस्में आर.जी.आर.-18-1, 12-1 एवं खरपतवार नियंत्रण तथा पत्ती झुलसा रोग और तिल की किस्म आर.टी.-372 समेत कुल 10 अनुशंषा की गई।

स्कूली बच्चों को मच्छरों से बचाव की जानकारी दी

रा. बा.उ. मा. विद्यालय हनुमानगढ़ में स्कूली बच्चों को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मच्छरों से बचाव की जानकारी दी।

हनुमानगढ़, (कासं)। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय हनुमानगढ़ संगम में आज अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ज्योति धींगड़ा, जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वितीय अंजू बाला, स्वास्थ्य कार्यकर्ता नवाबदीन भाटी एवं जिला तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ से त्रिलोकेश्वर शर्मा के द्वारा छात्राओं को मलेरिया डेंगू के बारे में जानकारी एवं बचाव के उपायों के बारे में बताया गया।

डॉ. ज्योति धींगडा॰ ने बताया कि मलेरिया से बचाव के लिए घरों में आसपास बने हुए जल स्त्रोत, गड्ढे, पशुओं की खेली, परिंडे इत्यादि की प्रत्येक रविवार को सूखा दिवस मनाते हुए साफ-सफाई कर मलेरिया मच्छर के लार्वा को पैदा होने से रोका जा सकता है। साथ ही मच्छरों से बचाव हेतु फॉगिंग, एमएलओ एवं अन्य मच्छर रोधी उपचारों के बारे में बताया गया। छात्राओं को गम्बूसिया मछली को पानी के कुंड डिग्गी वगैरह में डालकर कैसे पानी को साफ रखें। इसके लिए नवाबुद्दीन भाटी द्वारा गम्बूसिया मछली दिखाई गई एवं लार्वा को भी प्रेक्टिकल दिखाया गया।

त्रिलोकेश्वर शर्मा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा रविवार को प्रत्येक सप्ताह मनाए जा रहे सूखा दिवस को घरों में परिंडे, मटके, कूलर, फ्रिज की ट्रे इत्यादि को साफ सफाई कर मच्छर के लार्वा को पैदा होने से रोका जा सकता है। कोई भी कबाड़ का सामान टायर डिब्बे एवं अन्य सामग्री जिसमें पानी जमा रहा सकता है को साफ किया जाना चाहिए।